S-330

Total Pages : 3 Roll No. .....

BAJY-102

जन्मकुण्डली निर्माण

Bachelor of Arts (BA)

1st Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. पंक्तिस्थ राश्यादि ग्रह 3/10°/12'/20", ग्रहगति 62'/25" दिनादि धन चालन 1/05'/15" है, तो ग्रहस्पष्ट कीजिए।

2. भयात भभोग को परिभाषित करते हुए चन्द्रस्पष्ट करने की विधि का वर्णन करें।

3. लग्न आनयन विधि को लिखिए।

4. यदि राश्यादि लग्न मान 4/10°/12"/20", दशम लग्न मान 1/11°/10'/06" है, तो ससन्धि द्वादश भाव का साधन करें।

5. यदि भरणी नक्षत्र की घट्यादि भयात का मान 15/30, भभोग का मान 62/20 है, तो विंशोत्तरी महादशा का भुक्त काल एवं भोग्य काल का साधन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. चालन किसे कहते हैं? चालन कितने प्रकार के होते हैं? उनका नाम एवं साधन विधि को प्रतिपादित कीजिए।

2. चन्द्रगति साधन विधि स्वकल्पित उदाहरण के द्वारा प्रतिपादित करें।

3. पलभा द्वारा चरखण्ड का साधन कैसे किया जाता है, स्वकल्पित उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

4. साम्पातिक काल से लग्नायन करने की विधि का प्रतिपादन कीजिए।

5. योगिनी दशा साधन विधि का वर्णन करें।

6. ग्रहों के विंशोपक बल आनयन विधि को स्पष्ट करें।

7. कृतिका आदि क्रम के द्वादश नक्षत्रों के चरणानुसार जन्माक्षर एवं राशियों को लिखिए।

8. द्वादश राशियों के लंकोदयमान को लिखिए।